



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रसाधारण

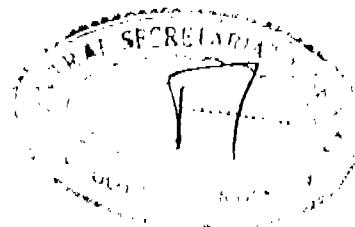
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 328]

नई दिल्ली, मंगलवार, दिसम्बर 9, 1975/अग्राहायण 18, 1897

No. 328] NEW DELHI, TUESDAY, DECEMBER 9, 1975/AGRAHAYANA 18, 1897

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue and Insurance)

NOTIFICATION

CENTRAL EXCISES

New Delhi, the 9th December 1975

G.S.R. 581(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts steel ingots falling under Item No. 26 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) and manufactured with the aid of electric furnace from so much of the duty of excise leviable thereon, as is in excess of twentyfive rupees per metric tonne:

Provided that such steel ingots are manufactured from any of the following materials, namely:—

- (a) old iron or steel melting scrap;
- (b) a combination of the material referred to at (a) above with fresh unused steel melting scrap on which the appropriate duty of excise has been paid; and
- (c) iron in any crude form falling under Item No. 25 of the said First Schedule on which the appropriate duty of excise has been paid in combination with the materials referred to at (a) and (b) above.

2. The exemption granted by this notification shall remain in force upto and inclusive of the 28th day of February, 1977.

[No. 237/75-CE/F. No. 137/1/75-CX. 4]

R. K. CHAKRABARTI, Under Secy.

वित्त संचालय

(राजस्व और बीमा विभाग)

अधिसूचना

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

नई दिल्ली, 9 दिसम्बर, 1975

सा० का० मि० 581 (अ).—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा इस्पात सिल्ली, जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम अनुसूची की मद सं० 26 के अन्तर्गत आती है और विद्युत भट्टी की सहायता से विनिर्मित हैं, उन पर उद्ग्रहणीय उतने उत्पाद-शुल्क से जितना प्रति मेट्रिक टन 25 रुपये से अधिक हो, छूट देती है :

परन्तु यह कि ऐसी इस्पात सिल्लियां निम्नलिखित सामग्री में से किसी से विनिर्मित हों, अर्थात् :—

- (क) पुराना लोहा या इस्पात पिघलन रही,
- (ख) उपर्युक्त (क) पर निर्दिष्ट सामग्री का नए अपर्युक्त इस्पात पिघलन रही का सम्मिश्रण जिस पर समुचित उत्पाद-शुल्क दे दिया गया हो, और
- (ग) उक्त प्रथम अनुसूची की मद सं० 25 के अन्तर्गत आने वाली किसी कच्चे रूप में लोहा जिस पर समुचित उत्पाद-शुल्क दे दिया गया है, उपर्युक्त (क) और (ख) में निर्दिष्ट सामग्रियों के मिश्रण में ।

2. इस अधिसूचना द्वारा दी गई छूट, 28, फरवरी, 1977 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, प्रवृत्त रहेगी ।

[सं० 237/75 के० उ० शु०/फा० सं० 137/1/75/सी-एक्स 4.]

आर० के० चक्रवर्ती, अवर सचिव ।